



Money Cannot Save your **BRAIN**
But **TIME & WE** can !

उत्तर-पश्चिम भारत के एकमात्र कम्प्रीहेन्सिव स्ट्रोक सेन्टर के साथ

पेसिफिक सेन्टर ऑफ न्यूरो साइन्सेस

राजस्थान की जनता के लिये अनमोल उपहार



डॉ. अतुलाभ वाजपेयी

एम.डी., डी.एम. (न्यूरोलॉजी), एफ.आई.एन.एस.
पूर्व असि. प्रोफेसर निम्हांस, बेंगलूर
डायरेक्टर एवं कन्सलटेंट इन्टरवेंशनल न्यूरोलॉजिस्ट
पेसिफिक सेन्टर ऑफ न्यूरो साइन्सेस
4700 से ज्यादा इन्टरवेंशनल न्यूरोलॉजी ब्रेन
प्रोसिजर का अनुभव

डॉ. नरेन्द्र मल

एमएस, एम.सी.एच. (न्यूरोसर्जरी)
कन्सलटेंट न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन
पेसिफिक सेन्टर ऑफ न्यूरो साइन्सेस
5000 से ज्यादा न्यूरो एवं स्पाइन
सर्जरी का अनुभव

डॉ. रमाकान्त

एम.डी., (एनेस्थीसीया)
कन्सलटेंट न्यूरो ऐंस्थिसियोलॉजिस्ट
पेसिफिक सेन्टर ऑफ न्यूरो साइन्सेस
3000 से ज्यादा क्रिटिकल केयर
प्रोसिजर का अनुभव

PCNS

PACIFIC CENTER OF NEUROSCIENCES

सिटी सेन्टर : आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के
पास मधुबन, उदयपुर - **0294-2424810**

TollFree : 1800 30 00 00 25

परामर्श समय : प्रातः 9.00 से दोपहर 2.00 बजे

इन्टरवेंशनल न्यूरोलॉजी

- मस्तिष्क की एंजियोग्राफी
- एन्युरिज्म कोईलिंग
- कोरोटिड आर्ट्री स्टेंटिंग
- ए.वी.एम. / ट्यूमर एम्बोलाइजेशन
- थ्रोम्बोलिसिस
- मेकेनिकल थ्रोम्बेक्टॉमी

न्यूरोलॉजी

- लकवा / पक्षाघात
- मिर्गी
- तेज सिरदर्द / कमरदर्द
- हाथ पैरों में झंझनाहट व सुन्नपन
- मुवमेन्ट डिस ऑर्डर
- पार्किंसन आदि के उपचार

न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी

- मस्तिष्क की चोट
- सिर में पानी भरना
- मस्तिष्क की गठान
- स्पाइनल ट्यूमर
- रीढ़ की हड्डी सम्बंधी सभी
ऑपरेशन की सुविधा

न्यूरो ईलेक्ट्रोफिजियोलॉजी

- ई.ई.जी. ■ विडियो ई.ई.जी.
- एन.सी.एस. ■ ई.एम.जी.
- वी.ई.पी. ■ एस.ई.पी.
- पी.एस.जी. (स्लिप स्टडी)
- ए.ई.पी.
- झोप्लर स्टडी आदि की सुविधा

उपलब्ध सुविधाएं

- सी.टी. स्कैन-128 स्लाइस
- एम.आर.आई.-3 टेस्ला
- कैथलेब
- पूर्णतया सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर, न्यूरो ICU एवं स्ट्रोक युनिट

अनुभवी मस्तिष्क एवं स्पाइन रोग विशेषज्ञों द्वारा **24X7** आपातकालीन चिकित्सा सेवाएँ रियायती दरों पर उपलब्ध।



समय पर आँए अंगता बचाएँ

लकवे के लक्षण होने के 6 से 8 घंटे में पहुँचने पर जमा हुआ रक्त का धक्का निकालने से अधिकतम फायदा।



पेसिफिक हॉस्पिटल में होगा लकवा/पक्षाघात (स्ट्रोक) का अचूक उपचार

भारत में मृत्यु का दूसरा बड़ा एवं शारीरिक विकलांगता का सबसे बड़ा कारण लकवा/पक्षाघात (स्ट्रोक / ब्रेन अटेक) है। 80 प्रतिशत लोगों में इलाज द्वारा स्ट्रोक पर काबू पाया जा सकता है।

लकवा/पक्षाघात इलाज नहीं हैं। इसके बारे में फैली हुई भ्रांतियों पर विश्वास नहीं करके पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के स्ट्रोक युनिट में अनुभवी चिकित्सकों की देख-रेख में निम्न तरह से इसका इलाज कराया जाना चाहिये। इसके लिये निम्न उपचार अचूक सिद्ध होता है।
• रक्त का थक्का गलाने की t-PA नामक दवा स्ट्रोक होने के 4.30 घण्टे में दी जाती है।

• स्ट्रोक होने के 6 से 8 घंटे के भीतर मस्तिष्क की धमनी से रक्त के थक्के को Retrieval Device नामक उपकरण के माध्यम से निकाला जाता है।
• स्ट्रोक होने के 24 घण्टे के भीतर विशेष परिस्थितियों में एंजियोग्राफी द्वारा रक्त का थक्का गलाने की दवा दी जा सकती है।

• मस्तिष्क की धमनी में 50 प्रतिशत से ज्यादा रुकावट होने पर मस्तिष्क की धमनी की एंजियोप्लास्टी व स्टेन्टिंग अथवा शल्य चिकित्सा कराने से लकवे को रोका जा सकता है।
• Aneurysm (रक्त वाहिनियों में गुब्बारे) से होने वाले ब्रेन हेमरेज का बिना ऑपरेशन कॉईलिंग द्वारा इलाज कराया जाता है।

पेसिफिक में लकवे के लिए समर्पित स्ट्रोक यूनिट व लकवा से पुनर्वास के लिए अलग से न्यूरो रि-हैबिलिटेशन यूनिट होने से आई. सी. यू. की तुलना में बेहतर चिकित्सा लाभ

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, प्रतापपुरा, एन.एच.-27, उदयपुर, राजस्थान 313001

अपॉइन्टमेंट हेतु सम्पर्क करें: ☎ +91-294-3920000, 94602-52872, 76650-17690